HISTORY, B.A. Hons. II - Paper II

CAUSES OF NAPOLEAN's DOWNFALL (नेपोलियन के पतन के कारण)

— पिछले class से आगे :-

7. **स्पेन से युद्ध (War against Spain)** :- नेपोलियन द्वारा स्पेन पर आक्रमण करना उसकी भारी भूल थी। इस युद्ध के कारण नेपोलियन को अत्यधिक हानि का सामना करना पड़ा। नेपोलियन के जीवन का यह सबसे लम्बा युद्ध था। नेपोलियन ने स्वयं इस युद्ध के विषय में कहा था, "स्पेनी नासूर ने मेरा विनाश कर दिया।"

8. **रूसी अभियान (Russian Campaign)** - स्पेन के अभियान के समान ही नेपोलियन का रूसी अभियान भी उसके लिए विनाशकारी प्रमाणित हुआ। यद्यपि 1807 ई. की टिलसिट की संधि से दोनों देशों के सम्बंध सुधर गये थे, किन्तु महाद्वीपीय व्यवस्था के कारण दोनों के संबंध पुनः खराब हो गये। 1812 ई. में नेपोलियन ने 5 लाख सैनिकों के साथ रूस के लिए प्रस्थान किया और जब वह वापस फ्रांस पहुँचा तो मात्र 20 हजार सैनिक ही बचे थे। इन आंकड़ों से इस अभियान में नेपोलियन को कितनी क्षति हुई, अनुमान किया जा सकता है। इस अभियान ने नेपोलियन की शक्ति को बहुत धक्का पहुंचाया तथा उसकी छवि को खराब किया। इस युद्ध ने फ्रांसीसी सेना की कमजोरियों को यूरोप के राष्ट्रों के समक्ष स्पष्ट कर दिया तथा वे भी अपनी स्वतंत्रता का प्रयास करने लगे।

9. **राष्ट्रीयता की भावना जागृत (Rise of Nationalism)** :- नेपोलियन ने अपने अधीनस्थ राज्यों पर अत्यधिक अत्याचार किया तथा भीषण कर लगाये थे। उन राज्यों में नेपोलियन के विरुद्ध भावनाएं प्रबल हो रही थीं। स्पेन एवं रूस के अभियानों में नेपोलियन की असफलता को देखकर इन राष्ट्रों में राष्ट्रीय भावना की लहर दौड़ गयी। प्रशा प्रतिशोध लेने के लिए व्याकुल हो रहा था। इटली में भी राष्ट्रवाद प्रबल हो रहा था। नेपोलियन इस राष्ट्रवाद का सामना न कर सका।

10. **नेपोलियन का स्वभाव (Nature of Napolean)** :- नेपोलियन के पतन में उसके स्वभाव का भी प्रमुख हाथ था। नेपोलियन अत्यंत हठी स्वभाव का व्यक्ति था तथा अपने विचारों के अतिरिक्त किसी की बात मानने को वह कदापि तैयार नहीं होता था। इसी कारण तालीरां जैसे व्यक्तियों ने उसका साथ छोड़ दिया था। वह जानता था कि महाद्वीपीय व्यवस्था असम्भव थी, किन्तु फिर भी उसे बनाये रखा। नेपोलियन जानता था कि उसे इतने युद्ध नहीं करने चाहिये थे, किन्तु फिर भी उसने किये। नेपोलियन ने 1814 ई. में स्वयं यह बात स्वीकार करते हुए कहा था, "मैं डरता हूँ इस तथ्य को स्वीकार करने से कि मैंने बहुत ज्यादा युद्ध किये हैं, मैं विश्व पर फ्रांस का प्रभुत्व स्थापित करना चाहता था। नेपोलियन को

Oxford

→

मिली प्रारम्भिक सफलताओं से उसे घमण्ड भी हो गया था। इसी कारण मेटरनिख ने नेपोलियन से कहा था, "आप का पतन निश्चित है, यह मुझे लगा था जब मैं यहां आया था, अब जबकि मैं जा रहा हूँ मुझे यह निश्चित हो गया है।" अपने अहं के कारण उसने शत्रु को सदैव कमजोर समझा। उसने अपने सेनापति सॉल्ट से अंग्रेजी जनरल के विषय में कहा था, "वेलिंग्टन एक अयोग्य जनरल है तथा अंग्रेज अच्छे योद्धा नहीं हैं।" नेपोलियन के इस प्रकार के स्वभाव के कारण इसका पतन होना स्वाभाविक हो था।

11. नेपोलियन की भूलें (Blunders of Napolean):- नेपोलियन ने अपने राजनीतिक एवं सैन्य जीवन के दौरान अनेक भयंकर भूलें की जिनका परिणाम उसे भुगतना पड़ा। उसके द्वारा की गयी कुछ प्रमुख गलतियाँ निम्नवत् थीं -

(i) मतदीपीय व्यवस्था लागू करना।
(ii) मतदीपीय व्यवस्था के दौरान इंगलैण्ड के लिए अनाज जाने देना
(iii) स्पेन पर आक्रमण
(iv) रूस के अभियान के दौरान मास्को में एक माह से अधिक समय तक रुके रहना।
(v) 4 जून 1813 ई. को 'प्लेसविज का युद्ध विराम' करना।
(vi) शत्रु सेना को कमजोर समझना।
(vii) वाटरलू के युद्ध के समय आक्रमण में देर करना।

नेपोलियन की उपरोक्त भूलें उसके पतन का प्रमुख कारण बनीं।

12. इंगलैण्ड से दुश्मनी (Enemity with England):-

यह नेपोलियन का दुर्भाग्य था कि उसका प्रमुख शत्रु इंगलैण्ड था। इंगलैण्ड अत्यंत शक्तिशाली था तथा चारो ओर समुद्र से घिरा होने के कारण सुरक्षित था। इंगलैण्ड की नौ सेना अत्यधिक शक्तिशाली थी, अतः फ्रांस तमाम प्रयत्नों के पश्चात भी उसे परास्त करने में असफल रहा। इंगलैण्ड ने राजनीतिक एवं कूटनीतिक श्रेष्ठता का परिचय देते हुए फ्रांस के विरुद्ध अन्य राष्ट्रों के साथ चार संगठन बनाए तथा अन्ततः वाटरलू के युद्ध में परास्त कर उसके राजनीतिक जीवन का अन्त कर दिया।

इस प्रकार उपरोक्त समस्त कारण प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से नेपोलियन के पतन के लिए उत्तरदायी थे। नेपोलियन ने जिन मूल्यों पर अपने साम्राज्य की नींव रखी थी वे मूल्य ही उसे ले डूबे। उसने युद्ध के द्वारा ही साम्राज्य का निर्माण किया था तथा युद्ध ने ही उसका पतन कर दिया। इसी कारण थामसन ने लिखा है कि "जिन

→

तत्वों ने नेपोलियन के साम्राज्य का निर्माण किया था उन्हीं तत्वों ने उसका विनाश भी कर दिया।" इसी कारण फ़िशर ने लिखा है, "नेपोलियन के पतन के नाटक में तीन दृश्य मास्को, लिप्जिग तथा फ़ाउंटेनब्ल्यू प्रमुख हैं। वाटरलू इस नाटक का उपसंहार है। यह कहना उचित ही है कि निरंकुश सत्ता पर राष्ट्रीय भावना की विजय ही इस नाटक का मूल उद्देश्य है।"

S.K. [signature]
20.8.2020